

**CLASS : 12th (Sr. Secondary)**

**Code No. 205**

**Series : SS-April/2021**

रोल नं०

--	--	--	--	--	--	--	--	--

**संस्कृत**

**भाग - I**

**(आत्मनिष्ठ प्रश्न)**

*(Academic)*

(Only for Fresh/School Candidates)

**समय : 2½ घण्टे]**

**[ पूर्णांक : 80 (भाग-I : 40, भाग-II : 40)**

प्रश्न-पत्र दो भागों में विभाजित है : भाग-I (आत्मनिष्ठ) एवं भाग-II (वस्तुनिष्ठ)। परीक्षार्थी को दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखना है। प्रश्न-पत्र का भाग-I परीक्षा आरम्भ होने पर पहले उत्तर-पुस्तिका के साथ दिया जाएगा तथा भाग-II के लिए आखिरी का एक घंटे का समय दिया जाएगा अर्थात् परीक्षा समाप्त होने से एक घंटा पूर्व परीक्षार्थी को भाग-II का प्रश्न-पत्र दिया जाएगा।

भाग-I के प्रश्न-पत्र में कुल 9 प्रश्न एवं भाग-II के प्रश्न-पत्र में कुल 37 प्रश्न हैं।

- कृपया जाँच कर लें कि भाग-I के इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 9 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें।
- कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

**निर्देश: –**

- प्रत्येक खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।
- प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।
- श्रेष्ठाङ्गान् प्राप्तये सुवाच्योलेखोऽपेक्षयते।

**खण्डः ‘क’****(अपठितम् अवबोधनम्)**

1. अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा एतदाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतपूर्णवाक्येन लिखत –

बाल्यकाले विशेषतो बालकस्योपरि संसर्गस्य प्रभावो भवति। बालको यादृशैः बालकैः सह संगतिं करिष्यति तादृशः एव भविष्यति। अतः बाल्यकाले दुर्जनैः सह संगतिः कदापि न करणीया। दुर्जनानां संसर्गेण बहवः हानयः भवन्ति। यथा दुर्जनसंसर्गेण मनुष्यः असदवृत्तः दुर्विचारयुक्तः च भवति तस्य बुद्धिः दूषिता भवति। सः दुर्व्यसनग्रस्तो भवति। अतः तस्य शरीरं क्षीणं दुर्बलं च भवति। कीर्तिः नश्यति। अतः स्वयशोवृद्धये ज्ञानवृद्धये सुखस्य शान्तेश्च प्राप्तये सर्वैरपि सदा सत्संगतिः करणीया दुर्जनसंगतिश्च हेया।

**प्रश्नाः-**

- (क) बाल्यकाले बालकस्योपरि कस्य प्रभावो भवति ?  $5 \times 2 = 10$   
 (ख) कैः सह संगतिः कदापि न करणीया ?  
 (ग) दुर्जनसंसर्गेण मानवस्य बुद्धिः कीदृशी भवति ?  
 (घ) कदा दुर्जनैः सह संगतिः कदापि न करणीया ?  
 (ङ) दुर्जनसंसर्गेण का नश्यति ?

**खण्डः ‘ख’****(रचनात्मकं कार्यम्)**

2. विषयमेकमधिकृत्य लघुनिबन्धं संस्कृतभाषया रचयत –

 $1 \times 3 = 3$ 

- (क) प्रातःकालीनभ्रमणम्  
 (ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्  
 (ग) मम प्रियं पुस्तकम्

**खण्डः ‘ग’**

**(पठितम् अवबोधनम्)**

**3. अधोलिखितगद्यांशस्य हिन्दीभाषया सरलार्थः कार्यः –**  $1 \times 5 = 5$

- (क) राजवचनमनुगच्छति जनो भयात्। उपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति। अवधीयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरुन्।

**अथवा**

- (ख) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। नाशयति च पुरुषमत्यासङ्गे विषयेषु।

**4. अधोलिखितश्लोकस्य हिन्दीभाषया सरलार्थः कार्यः –**  $1 \times 5 = 5$

- (क) ईशा वास्यमिदं सर्वं यत्किञ्चित् जगत्यां जगत्।

तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः मा गृधः कस्यस्वद्रूढनम्॥

**अथवा**

- (ख) तमधरे विश्वजिति क्षितीशं

निःशेषविश्राणितकोषजातम्।

उपात्तविद्यो गुरुदक्षिणार्थी

कौत्सः प्रपेदे वरतन्तुशिष्यः॥

**5. अधोलिखितासु सूक्तिषु एकत्याः सूक्त्याः भावार्थं हिन्दीभाषया लिखत –**  $1 \times 3 = 3$

- (क) दातव्यं भोक्तव्यं धनविषये संचयो न कर्तव्यः।

- (ख) एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।

- (ग) जगाद भूयो जगदेकनाथः।

**खण्डः ‘घ’**

(संस्कृतसाहित्यपरिचयः)

6. कालिदासस्य **अथवा** पं० हृषीकेशस्य संक्षिप्तपरिचयः हिन्दीभाषया लेखितव्यः।

$1 \times 5 = 5$

7. अधस्तनयोः पुस्तकयोः मध्ये **एकत्य** पुस्तकस्य संक्षिप्तपरिचयः हिन्दीभाषया लेखनीयः -

$1 \times 5 = 5$

(क) गीता

(ख) रघुवंशम्

**खण्डः ‘ड़’**

(छन्दोऽलंकारयोः परिचयः)

8. अधोलिखितेषु छन्दस्सु **एकत्य** छन्दसः संस्कृतभाषया लक्षणं लिखत -

$1 \times 2 = 2$

(i) इन्द्रवज्रा

(ii) उपेन्द्रवज्रा

(iii) वंशस्थम्

9. अधः प्रदत्तेषु अलंकारेषु **एकत्य** अलंकारस्य लक्षणं संस्कृतभाषया लिखत -

$1 \times 2 = 2$

(i) यमकालंकारः

(ii) उपमालंकारः

(iii) व्याजस्तुतिः

**CLASS : 12th (Sr. Secondary)**

**Code No. 205**

**Series : SS-April/2021**

रोल नं० 

--	--	--	--	--	--	--	--	--

## संस्कृत

### भाग - II

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(Academic)

(Only for Fresh/School Candidates)

- कृपया जाँच कर लें कि भाग-II के इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 तथा प्रश्न 37 हैं।
- परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें।
- कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

**निर्देश:** –

- प्रत्येक खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।
- प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।
- श्रेष्ठाङ्गान् प्राप्तये सुवाच्योलेखोऽपेक्षयते।

खण्ड: ‘क’

**1.** अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा अधस्तानां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लेखितव्यानि –

राजानः न मानयन्ति मान्यान्। जरावैक्लव्यप्रलपितमिति पश्यन्ति वृद्धोपदेशम्। कुप्यन्ति हितवादिने।

**प्रश्ना:** –

$2 \times 1 = 2$

- राजानः कस्मै कुप्यन्ति ?
- के मान्यान् न मानयन्ति ?

**2.** अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा अधस्तनयोः प्रश्नयोः उत्तरे देये –

कर्मणैव हि संसिद्धिमारिथता जनकादयः।  
लोकसंग्रहमेवापि संपश्यन्कर्तुमर्हसि॥

**प्रश्नाः-** $2 \times 1 = 2$ 

(क) जनकादयः केनैव संसिद्धिम् आस्थिताः ?

(ख) किं संपश्यन् त्वं कर्म कर्तुम् अर्हसि ?

**3.** रेखाङ्कितपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत – $2 \times 1 = 2$ (क) विद्यया अमृतम् अश्नुते।(ख) तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः।**खण्डः ‘ख’****(बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः)****अधस्तनप्रश्नानां लिखितोत्तरविकल्पेषु शुद्धविकल्पं चित्वा उत्तरपुस्तिकायां लिखत –** $1 \times 34 = 34$ **4.** ‘तपोधनः’ इति पदे कः समासः ?

(क) द्वच्छः

(ख) द्विगुः

(ग) तत्पुरुषः

(घ) बहुव्रीहिः

**5.** ‘महान् ऋषिः’ इति पदे किं समस्तपदम् ?

(क) महार्षिः

(ख) माहर्षिः

(ग) महर्षिः

(घ) महाऋषिः

**6.** ‘तथापि’ इति पदे कः सन्धिः ?

(क) दीर्घसन्धिः

(ख) गुणसन्धिः

(ग) वृद्धिसन्धिः

(घ) यण्सन्धिः

**7.** ‘न + उपसर्पति’ इति पदे किं सन्धिपदम् ?

(क) नोपसर्पति

(ख) नेपसर्पति

(ग) नुपसर्पति

(घ) नौपसर्पति

8. ‘नैव’ इति पदे कः सन्धिविच्छेदः ?

- |            |             |
|------------|-------------|
| (क) नै + व | (ख) न + एव  |
| (ग) ना + व | (घ) नै + एव |

9. ‘विद्वान्’ इति पदस्य विलोमपदमस्ति -

- |            |            |
|------------|------------|
| (क) मूर्खः | (ख) चञ्चलः |
| (ग) पुरुषः | (घ) महिला  |

10. ‘जलम्’ इति पदस्य पर्यायपदं लिखत।

- |            |            |
|------------|------------|
| (क) सरिता  | (ख) सरवरः  |
| (ग) सलिलम् | (घ) तड़ागः |

11. ‘राज्ञः पुरुषः’ इति विग्रहे किं समस्तम् ?

- |                  |                 |
|------------------|-----------------|
| (क) राजासमीपम्   | (ख) राजपुरुषः   |
| (ग) राज्ञासमीपम् | (घ) राज्ञसमीपम् |

12. ‘विना’ इति उपपदयोगे का विभक्तिः ?

- |            |              |
|------------|--------------|
| (क) प्रथमा | (ख) द्वितीया |
| (ग) षष्ठी  | (घ) चतुर्थी  |

13. ‘आ + गम् + त्यय्’ एतेषां संयोगे किं रूपम् ?

- |            |             |
|------------|-------------|
| (क) आगत्य  | (ख) आगमय    |
| (ग) आगत्वा | (घ) अगच्छत् |

14. ‘अब्रवीत्’ अत्र कः लकारः ?

- |          |          |
|----------|----------|
| (क) लट्  | (ख) लोट् |
| (ग) लृट् | (घ) लङ्  |

**15.** ‘पृच्छति’ पदे कः लकारः ?

- |              |          |
|--------------|----------|
| (क) लट्      | (ख) लोट् |
| (ग) विधिलिङ् | (घ) लेट् |

**16.** ‘तस्य’ अत्र का विभक्तिः ?

- |             |            |
|-------------|------------|
| (क) चतुर्थी | (ख) पञ्चमी |
| (ग) षष्ठी   | (घ) सप्तमी |

**17.** ‘अस्मद्’ प्रथमाविभक्तौ बहुवचने किं रूपम् ?

- |          |             |
|----------|-------------|
| (क) अहं  | (ख) आवाम्   |
| (ग) वयम् | (घ) अस्मान् |

**18.** ‘अनवाप्य’ इति पदे विग्रहोऽस्ति ?

- |              |                |
|--------------|----------------|
| (क) ना वाप्य | (ख) ना अनवाप्य |
| (ग) न अवाप्य | (घ) अवाप्य     |

**19.** ‘तेनैव’ इति पदे कः सन्धिः ?

- |                  |               |
|------------------|---------------|
| (क) दीर्घसन्धिः  | (ख) गुणसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) यण्सन्धिः |

**20.** ‘यत् + च’ इति पदे किं सन्धिपदम् ?

- |          |          |
|----------|----------|
| (क) यच्च | (ख) यद्च |
| (ग) यत्च | (घ) यच   |

**21.** ‘समुद्रोऽपि’ इति पदे कः सन्धिविच्छेदः ?

- |                   |                   |
|-------------------|-------------------|
| (क) समुद्रे + अपि | (ख) समुद्रो + अपि |
| (ग) समुद्र + अपि  | (घ) समुद्रः + अपि |

22. ‘अश्नुते’ अत्र पदे कः धातुः ?

- |          |           |
|----------|-----------|
| (क) अश्  | (ख) अश्न् |
| (ग) अशन् | (घ) अन्   |

23. ‘लभते’ अत्र कः पुरुषः ?

- |                 |                    |
|-----------------|--------------------|
| (क) उत्तमपुरुषः | (ख) प्रथमपुरुषः    |
| (ग) मध्यमपुरुषः | (घ) चतुर्थः पुरुषः |

24. ‘तृप्तस्’ इति पदे कः प्रत्ययः ?

- |            |            |
|------------|------------|
| (क) तव्यत् | (ख) अनीयर् |
| (ग) कृत्वा | (घ) क्त    |

25. “तस्याः मुखं चन्द्र एव” कोऽलंकारो भवति ?

- |                  |               |
|------------------|---------------|
| (क) श्लेषः       | (ख) रूपकम्    |
| (ग) व्याजस्तुतिः | (घ) अनुप्रासः |

26. ‘साकम्’ इति उपपदयोगे का विभक्तिः ?

- |              |             |
|--------------|-------------|
| (क) द्वितीया | (ख) चतुर्थी |
| (ग) तृतीया   | (घ) पञ्चमी  |

27. ‘लब्ध्वा’ इति पदे कः प्रत्ययः ?

- |         |            |
|---------|------------|
| (क) कृत | (ख) कृत्वा |
| (ग) यत् | (घ) ष्यत्  |

28. ‘तमसा’ इति पदस्य विलोमपदमस्ति ?

- |           |              |
|-----------|--------------|
| (क) मध्यः | (ख) भयः      |
| (ग) अङ्गः | (घ) प्रकाशेन |

29. ‘दिवसेषु’ इति पदस्य विशेषणपदं किम् ?

- |                   |            |
|-------------------|------------|
| (क) समतिक्रामत्सु | (ख) महान्  |
| (ग) दिवसेण        | (घ) मूर्खः |

30. ‘दीर्घः’ इति पदस्य विशेष्यपदं किम् ?

- |             |            |
|-------------|------------|
| (क) पत्रम्  | (ख) अवकाशः |
| (ग) रात्रिः | (घ) जीवनम् |

31. अष्ट (12) वर्णाः कस्मिन् छन्दसि भवन्ति ?

- |                       |                         |
|-----------------------|-------------------------|
| (क) वंशस्थछन्दसि      | (ख) मन्दाक्रान्ताछन्दसि |
| (ग) इन्द्रवज्राछन्दसि | (घ) अनुष्टुप् छन्दसि    |

32. ‘साधुभिः’ इति पदे का विभक्तिः ?

- |            |             |
|------------|-------------|
| (क) तृतीया | (ख) चतुर्थी |
| (ग) पञ्चमी | (घ) षष्ठी   |

33. ‘प्रकृतिसिद्धम्’ इति पदे विग्रहोऽस्ति ?

- |                      |                       |
|----------------------|-----------------------|
| (क) प्रकृतेः सिद्धम् | (ख) प्रकृत्या सिद्धम् |
| (ग) प्रकृतिः सिद्धम् | (घ) प्रकृतिः सिद्धः   |

34. ‘न + आर्या’ इति विग्रहे किं समस्तपदम् ?

- |            |             |
|------------|-------------|
| (क) नार्या | (ख) अनार्या |
| (ग) नार्यः | (घ) नारीयः  |

35. ‘सुकृतम्’ इति पदस्य विलोमपदं लिखत।

- |               |             |
|---------------|-------------|
| (क) दुष्कृतम् | (ख) दुरितम् |
| (ग) पुराणम्   | (घ) हस्ती   |

36. 'परितः' इति उपपदयोगे का विभक्तिः ?

- |              |            |
|--------------|------------|
| (क) पञ्चमी   | (ख) षष्ठी  |
| (ग) द्वितीया | (घ) सप्तमी |

37. 'दत्त्वा' इति पदे कः प्रत्ययः ?

- |            |            |
|------------|------------|
| (क) कृत्वा | (ख) तव्यत् |
| (ग) अण्    | (घ) दथ्    |

